उद्देश्य अधूरा? जल संरक्षण का सपना या लाखों की लागत से बने सूखे तालाब सवालों के घेरे में, सरकार की महत्वाकांक्षी योजना खटाई में

सरोवर में एक बूंद पानी नहीं, ये कैसा अमृत सरोवर

डिंडोरी नवभारत 2 जून। देशभर में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों को जल संकट से राहत दिलाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया 'मिशन अमृत सरोवर' आज कई स्थानों पर सवालों के घेरे में दिखाई दे रहा है।

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य गांव-गांव में जल संरक्षण के स्थायी साधन विकसित करना, भूजल स्तर बढ़ाना, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना था, लेकिन डिंडौरी जिले के अमरपुर विकासखंड सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना की जमीनी हकीकत सरकारी दावों से काफी अलग नजर आ रही है।

जल संरक्षण की बड़ी पहल

सरकार ने मिशन अमृत सरोवर के माध्यम से प्रत्येक जिले में कम से कम 75 तालाब विकसित करने का लक्ष्य रखा था। इन सरोवरों को केवल जल संग्रहण का माध्यम नहीं बल्कि ग्रामीण विकास के केंद्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई थी। योजना के तहत तालाबों के माध्यम से वर्षा जल संग्रहण, भूजल पुनर्भरण, सिंचाई सुविधा, मत्स्य पालन, बत्तख पालन, सब्जी उत्पादन और महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की रणनीति तैयार की गई थी।

करोड़ों रुपये की राशि खर्च की गई

सरकार का मानना था कि यदि गांवों में पर्याप्त जल भंडारण की व्यवस्था हो जाए तो किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा, ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा और महिलाएं स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। इसके लिए करोड़ों रुपये की राशि विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से खर्च की गई।

गर्मी आते ही सूख जाते हैं तालाब

अमरपुर विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ब्लॉक में बनाए गए अधिकांश अमृत सरोवर वर्तमान भीषण गर्मी में पूरी तरह सूख चुके हैं। कुछ चुनिंदा सरोवरों को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश तालाबों में एक बूंद पानी तक नहीं बचा है।

समुचित तकनीकी अध्ययन नहीं किया गया

ग्रामीणों का आरोप है कि इन सरोवरों का निर्माण बिना समुचित तकनीकी अध्ययन के किया गया। कई स्थानों पर प्राकृतिक नालों को रोककर तालाब बनाए गए, लेकिन उनकी तल सतह और पाल की मजबूती पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। परिणामस्वरूप बारिश का पानी कुछ महीनों तक तो रुकता है, लेकिन बाद में तेजी से रिसकर समाप्त हो जाता है।

तकनीकी खामियों पर उठ रहे सवाल

जल संसाधन विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी तालाब की सफलता उसके निर्माण की तकनीकी गुणवत्ता पर निर्भर करती है। यदि तालाब की तल सतह, जल धारण क्षमता, कैचमेंट एरिया और जल निकासी व्यवस्था का सही आकलन न किया जाए तो वह लंबे समय तक पानी नहीं रोक सकता। अमरपुर क्षेत्र के कई अमृत सरोवरों को लेकर आरोप है कि निर्माण के दौरान वैज्ञानिक मानकों का पालन नहीं किया गया।

महिला स्व-सहायता समूहों का सपना अधूरा

मिशन अमृत सरोवर का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी था। योजना के अनुसार तालाबों को महिला समूहों को आवंटित किया जाना था ताकि वे मत्स्य पालन, सब्जी उत्पादन, जल आधारित कृषि और अन्य गतिविधियों के माध्यम से आय अर्जित कर सकें। लेकिन जब तालाबों में पानी ही नहीं बच रहा है तो इन गतिविधियों का संचालन संभव नहीं हो पा रहा। लेकिन जल की उपलब्धता नहीं होने के कारण किसी प्रकार का उत्पादन सरोवर में नहीं हो पा रहा हैं। इससे आत्मनिर्भरता का सपना अधूरा रह गया है।

कुड़ी डैम में अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी

शव की स्थिति को देखते हुए मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा

चिल्हारी नवभारत 2 जून। जिले के इंदवार थाना अंतर्गत अमरपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के कुड़ी डैम में लगभग 35 वर्षीय अज्ञात महिला का क्षत-विक्षत शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी दोपहर को मिलते ही अमरपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

स्थानीय लोगों द्वारा डैम में शव दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी गई थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को बाहर निकलवाया तथा पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरपुर की मरचुरी में रखवाया है।

परिजनों की तलाश में जुटी पुलिस

मृतका की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में उसकी शिनाख्त और परिजनों की तलाश में जुटी हुई है। शव की स्थिति को देखते हुए मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, हालांकि महिला की मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे

मामले की जांच अमरपुर चौकी प्रभारी अभिलाष सिंह द्वारा की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी है और आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मृतका की पहचान एवं मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

एक नजर में

सेवानिवृत्त सिंधु कुमार काशी को दी गई विदाई

करंजिया, नवभारत 2 जून। नवीन माध्यमिक विद्यालय बिजौरी के प्रधान पाठक सिंधु कुमार काशी के 40 वर्षों की उत्कृष्ट शैक्षणिक सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिवार द्वारा भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन से हुई, जिसके बाद विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया। समारोह में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा डिंडौरी के अध्यक्ष सुशील कुमार नागेश्वर ने काशी की बेदाग छवि, कर्तव्यनिष्ठा और शिक्षा के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें एक आदर्श शिक्षक बताया। कार्यक्रम का संचालन ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के जिला संयोजक राम कुमार गर्ग ने किया।

सेवानिवृत्त गिरवर सिंह धुर्वे को दी बिदाई

शहपुरा नवभारत 2 जून। विद्युत विभाग शहपुरा में पदस्थ रहे गिरवर सिंह धुर्वे के सेवानिवृत्त होने पर सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, मित्रों एवं परिजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने उनके लंबे सेवाकाल के दौरान विभाग को दिए गए योगदान की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गिरवर सिंह धुर्वे ने अपने सेवाकाल में पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन किया। उनकी कार्यकुशलता, अनुशासन और व्यवहार कुशलता के कारण वे विभाग में एक सम्मानित कर्मचारी के रूप में पहचाने जाते रहे। उनके अनुभवों से विभाग के अनेक कर्मचारियों को मार्गदर्शन और प्रेरणा प्राप्त हुई। समारोह के दौरान विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया।

स्लूस गेटों के मरम्मत कार्य प्राथमिकता से जारी

शहपुरा नवभारत 2 जून। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन तथा कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन विभाग के निर्देशन में विकासखंड शहपुरा अंतर्गत संचालित सिंचाई योजनाओं के स्लूस गेटों के सुधार एवं आवश्यक मरम्मत कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज दिनांक तक सारसडोली जलाशय, डोभी जलाशय, संग्रामपुर एनीकट, राछो जलाशय, बस्तरा जलाशय एवं सरई जलाशय के स्लूस गेटों के सुधार एवं मरम्मत कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। विभाग द्वारा शेष सिंचाई योजनाओं के गेटों के सुधार एवं मरम्मत संबंधी कार्य भी निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार निरंतर किए जा रहे हैं, जिससे सिंचाई व्यवस्था अधिक प्रभावी, सुरक्षित एवं सुचारु बनी रहे।

दिव्यांग हितग्राही को मिला प्रशासन का सहयोग

डिंडौरी, नवभारत 2 जून। जनसुनवाई में पहुंचे ग्राम छांटा बैगा टोला निवासी दिव्यांग हितग्राही मनोज कुमार पिता बैसाखू बैगा ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि वे आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से हैं तथा शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं। उनकी दिव्यांग पेंशन बंद हो जाने से दैनिक जीवनयापन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पुन: दिव्यांग पेंशन प्रारंभ कराए जाने की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से हितग्राही को ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई। साथ ही संबंधित अधिकारियों को दिव्यांगता संबंधी दस्तावेजों का परीक्षण कर पात्रता अनुसार दिव्यांग पेंशन स्वीकृत करने के निर्देश दिए। प्रशासन की इस संवेदनशील पहल से हितग्राही ने राहत महसूस करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

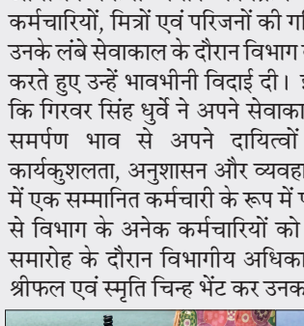

ओवरलोड गिट्टी का परिवहन करते हाइवा किया जब्त

कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग ने की कार्यवाही

डिंडौरी, नवभारत 2 जून। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम हेतु लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग की टीम द्वारा 1 जून को ग्राम सक्का, तहसील व थाना डिण्डौरी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान एक हाइवा वाहन क्रमांक एमपी 52 जेड 8144 को खनिज गिट्टी का अवैध एवं ओवरलोड परिवहन करते हुए पकड़ा गया।वाहन चालक अर्जुन सोनवानी पिता मदन सिंह, निवासी ओड़हारी, तहसील घुघरी, जिला मंडला के कब्जे से उक्त वाहन को जप्त कर सुरक्षार्थ थाना कोतवाली डिण्डौरी में खड़ा कराया गया है।

सख्त कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी- खनिज विभाग द्वारा वाहन के विरुद्ध खनिज नियमों के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर आगामी वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। प्रकरण को नियमानुसार न्यायालय कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

निर्माणाधीन पुल में तकनीकी खामी पर विधायक नाराज

गंभीर लापरवाही पर अधिकारियों को लगाई फटकार

अमरपुर नवभारत 2 जून। अमरपुर विकासखंड में खरमेर नदी पर लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से बन रहे पुल के निर्माण कार्य में कथित तकनीकी खामियों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं।

विधायक ने बताया कि अमरपुर को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण पुल के एप्रोच मार्ग पर लगभग 90 डिग्री का तीखा मोड़ बना दिया गया है। उनका कहना है कि इस तरह का मोड़ यातायात की दृष्टि से बेहद खतरनाक साबित हो सकता है और भविष्य में यहां बड़े हादसों की आशंका बनी रहेगी।

तकनीकी मानकों से समझौता स्वीकार नहीं

निरीक्षण के दौरान विधायक ने जनपद पंचायत एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ मौके का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में बरती गई कथित अनियमितताओं पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। विधायक ने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता और तकनीकी मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

पुल के मोड़ को लेकर चिंता जताई

उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को तकनीकी खामियों की जांच कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि पुल निर्माण में यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। उधर, स्थानीय लोगों ने भी पुल के मोड़ को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि यदि समय रहते डिजाइन में सुधार नहीं किया गया तो भविष्य में दुर्घटनाओं का खतरा बना रहेगा।

प्रभारी प्राचार्य पर अनुचित व्यवहार करने का आरोप

कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचे ग्रामीण

डिंडौरी, नवभारत 2 जून। सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में कुल 77 आवेदन पत्र प्राप्त हुए।

जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों ने बिजली, पेयजल, सड़क, मुआवजा, प्रधानमंत्री आवास तथा भ्रष्टाचार संबंधी समस्याओं को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत सारंगपुर पड़रिया के ग्रामीणों ने एकीकृत शाला हाई स्कूल सारंगपुर में पदस्थ प्रभारी प्राचार्य के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराते हुए विद्यालय में नियमित उपस्थिति नहीं रहने तथा राष्ट्रीय पर्वों के दौरान अनुचित व्यवहार करने के आरोप लगाए। ग्रामीणों ने विद्यार्थियों के हित में कार्रवाई की मांग की।

बिजली तार जगह-जगह से टूटे, हादसे की आशंका

ग्राम नयेगांव रैयत (महुआ टोला) के ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2007 में लगाए गए बिजली तार जर्जर होकर जगह-जगह टूट चुके हैं, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है तथा कई बार गांव अंधेरे में डूब जाता है। इस पर विद्युत विभाग को जांच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। जिस पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सर्वे के बावजूद नहीं मिला बिजली कनेक्शन

ग्राम पंचायत देवरा (किसान टोला) के सरपंच ने धरती आबा योजना के अंतर्गत सर्वे होने के बावजूद बिजली कनेक्शन नहीं मिलने की समस्या से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बिजली के अभाव में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। मामले में संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

तलवान टोला के ग्रामीण पेयजल संकट से जूझ रहे

जनसुनवाई में फूटा ग्रामीणों का दर्द, एसडीएम ने मौके पर भेजी पीएचई टीम

शहपुरा नवभारत 2 जून। शहपुरा विकासखंड में आज़ादी के 75 साल बाद भी एक गांव के लोग पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। ग्राम पंचायत पायली घुघरी के तलवान टोला में करीब 150 ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार गर्मी के दिनों में उन्हें मिलो दूर नाले में झिरिया खोदकर पानी लाना पड़ता है, जबकि बरसात के मौसम में गंदा और दूषित पानी पीने की मजबूरी बन जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने कई बार जनपद पंचायत और संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दीं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

तत्काल संज्ञान में लिया- पेयजल संकट से परेशान ग्रामीण जब जनसुनवाई में एसडीएम कार्यालय शहपुरा पहुंचे, तो एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने जनपद पंचायत सीईओ और पीएचई विभाग के एसडीओ को ग्रामीणों के साथ मौके पर भेजकर स्थिति का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने के दिए निर्देश- इसके साथ ही एसडीएम ने गर्मी के दौरान टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने तथा समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी जारी किए हैं। अब सवाल यह है कि आखिर आज़ादी के 75 वर्षों बाद भी ग्रामीणों को पानी जैसी बुनियादी सुविधा के लिए संघर्ष क्यों करना पड़ रहा है, और प्रशासनिक निर्देशों के बाद इस समस्या का स्थायी समाधान कब तक हो पाएगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरपुर में संसाधनों की कमी

चिल्हारी नवभारत 2 जून। जिले के मानपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम अमरपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को उन्नत कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का दर्जा दिया गया है। करोड़ों रुपये की लागत से विशाल भवन का निर्माण भी कराया गया, लेकिन आज तक यहां आवश्यक संसाधनों और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बनी हुई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त डॉक्टर, विशेषज्ञ चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, मरीजों के लिए पर्याप्त बेड, आवश्यक चिकित्सा उपकरण तथा शव वाहन जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। इसके कारण गंभीर मरीजों को उपचार के लिए अक्सर बरही अथवा कटनी जिला अस्पताल रेफर करना पड़ता है। वहीं किसी मरीज की मृत्यु होने की स्थिति में परिजनों को शव ले जाने के लिए भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

पर्याप्त चिकित्सकीय स्टाफ की नियुक्ति की मांग- ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र के उन्नयन और भवन निर्माण से क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उम्मीद थी, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण मरीजों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर उपचार नहीं मिलने से लोगों की समस्याएं और बढ़ जाती हैं। क्षेत्रवासियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि अमरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त चिकित्सकीय स्टाफ की नियुक्ति, मरीजों के लिए बेड, आधुनिक चिकित्सा उपकरण, एम्बुलेंस एवं शव वाहन जैसी आवश्यक सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराई जाएं।

मांग अधिवक्ता सम्यक जैन ने कलेक्टर को लिखा पत्र, तत्काल कार्यवाही की मांग की

चकरार नदी से अवैध जल दोहन से गहराया जल संकट

डिंडोरी, नवभारत 2 जून। बजाग क्षेत्र में बढ़ते पेयजल संकट और चकरार नदी से कथित अवैध जल दोहन के मुद्दे को लेकर अधिवक्ता सम्यक जैन ने जिला कलेक्टर डिंडौरी को पत्र प्रेषित कर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की मांग की है।

पत्र में आरोप लगाया गया है कि चकरार नदी से बड़ी संख्या में मोटर पम्प लगाकर सिंचाई के लिए पानी निकाला जा रहा है, जिसके कारण क्षेत्र में जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। सम्यक जैन ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि ग्राम पंचायत बजाग माल, जल संसाधन विभाग तथा स्थानीय नागरिकों द्वारा पूर्व में कई बार शिकायतें एवं सूचनाएं दिए जाने के बावजूद जिम्मेदार विभागों द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

जल संसाधन विभाग ने जल निकासी को नियम विरुद्ध बताया

उन्होंने कहा कि जल संसाधन विभाग द्वारा जारी नोटिस में भी बिना अनुमति नदी से जल निकासी को नियम विरुद्ध बताया गया है, इसके बावजूद अवैध जल दोहन जारी है। पत्र में कहा गया है कि चकरार नदी के जलस्तर में लगातार गिरावट के कारण बजाग क्षेत्र के कई कुएं, हैंडपंप एवं पारंपरिक जल स्रोत सूखने की स्थिति में पहुंच गए हैं। ग्रामीणों, महिलाओं, बच्चों एवं पशुपालकों को पेयजल के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अवैध मोटर पम्पों को तत्काल हटाया जाए

अधिवक्ता सम्यक जैन ने कलेक्टर को अवगत कराया है कि संबंधित अधिकारियों की निष्क्रियता जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में जारी जल संरक्षण एवं पेयजल उपलब्धता संबंधी निर्देशों की भी अवहेलना है। उन्होंने मांग की है कि चकरार नदी पर लगे सभी अवैध मोटर पम्पों को तत्काल हटाया जाए, संयुक्त जांच दल गठित कर कार्रवाई की जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

समस्या के निराकरण की मांग

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि क्षेत्र मेंआआआआ मुख्यमंत्री का प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम है, यदि उससे पूर्व जल संकट और अवैध जल दोहन की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्रवासियों में व्यापक असंतोष की स्थिति निर्मित हो सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर समस्या का निराकरण करने की मांग की है।

जल स्रोतों का संरक्षण प्रशासन की प्राथमिकता होना चाहिए

सम्यक जैन ने कहा कि 'पेयजल संकट के समय सार्वजनिक जल स्रोतों का संरक्षण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है।